



Literacy for a Billion

Movie: Padosan

Year: 1968

एक चतुर नार करके सिंगार
एक चतुर नार करके सिंगार
मेरे मन के द्वार ये घुसत जात
हम मरत जात
अरे ए ए ए...
चतुर नार करके सिंगार

चतुर नार करके सिंगार

ए थाम ए थाम
अरे थाम थाम थाम हो

एक चतुर नार बड़ी होशियार
एक चतुर नार बड़ी होशियार
अपने ही जाल में फँसत जात
हम हँसत जात
अरे हा हा हा हा हा

एक चतुर नार बड़ी होशियार

तू क्यों
छी डे

तू क्यों गोरी ध्यान धरे
करे लाख लाख दुनिया चतुराई
छुट्टी कर दूँगा मैं उसकी
अबके जो आवाज़ लगाई

छुट्टी कर दूँगा

Song: Ek chatur naar

Lyricist: Rajendra Krishan

जा रे जा रे कारे कागा
का का का क्यों शोर मचाए
उस नारी का दास ना बन जो
राह चलत को राह भुलाए

काला रे
काला रे जा रे जा रे
खारे नाले में जाके
तू मुँह धो के आ

काला रे गा रे गा रे
ये गड़बड़ जी
गा रे गा रे
ये सुर बदल गया
ओ गा रे गा रे
ये हमको भटकाता
ओ गा रे गा रे

ये सुर किधर है जी
ये सुर इना या इद

एक चतुर नार
हम छोड़ेगा नहीं जी
एक चतुर नार
हम पकड़ के रखेगा जी
मेरे मन के द्वार
ये घुसत जात
हम मरत जात
अरे ए ए ए...

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

चतुर नार करके सिंगार

नाच ना जाने आँगन टेढ़ा
तू क्या जाने क्या है नारी
जिस संग लागे मोरे नैना
उसपे सारी दुनिया वारी

नाच ना जाने आँगन टेढ़ा
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...
टेढ़ा...

ओ टेढ़े
ओए
ओ केढ़े
पो या

अरे सीधे हो जा रे
सीधे हो जा रे
सीधे हो जा

वाह री चंदनिया
वाह रे चकोरे
राम बनाई ये कैसी जोड़ी
करे नचैया ता ता थैया

ताल पे नाचे लंगड़ी घोड़ी

अरे देखी
अरे देखी तेरी चतुराई
ये फिर गड़बड़
अरे देखी तेरी चतुराई
फिर भटकाया
तुझे सुर की समझ नहीं आई
तूने कोरी घास ही खाई
अरे घोड़े
ये घोड़ा बोला
ओ निगोड़े
ये गाली दिया
अरे देखी तेरी चतुराई

एक चतुर नार
अरे देखी तेरी चतुराई
एक चतुर नार
अरे देखी तेरी चतुराई
एक चतुर नार
एक चतुर नार

अैयो घोड़े तेरी
एक चतुर नार
अैयो घोड़े तेरी
हो एक चतुर नार
अैयो घोड़े तेरी
अैयो घोड़े तेरी
एक चतुर एक घोड़ा
एक चतुर एक घोड़ा



Literacy for a Billion

एक चतुर एक घोड़ा
ये चतुर ये घोड़ा

ये घोड़ा चतुर

ये क्या रे

घोड़ा चतुर

घोड़ा चतुर

एक पे रहना

या घोड़ा या चतुर बोलना

गा

एक चतुर नार करके सिंगार

एक चतुर नार बड़ी होशियार

मेरे मन के द्वार ये घुसत जात

अपने ही जाल में फँसत जात

हम मरत जात

अरे आए ए ए...

चतुर नार बड़ी होशियार

करके सिंगार

अपने ही जाल

मेरे मन के द्वार

अरे फँसत जात

ये घुसत जात

हम हँसत जात

हम मरत जात

मरत जात

मरत जात

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.